

सूर्योदय 6:00	सूर्यास्त 6:40
आज का तापमान	
शिमला 15.2 व्ह्यू	22.0 अधि
धर्मशाला 19.8 व्ह्यू	28.1 अधि
बाजार	
सेंट्रेस 82555.44	
निपटी 25279.85	
तोना 72,760	वांडी 86,815



अनंत ज्ञान



आरएनआई नं. HPHIN01099

कांगड़ा | बुधवार, 4 सितंबर 2024 | 20 नाम्दपद, विक्रमी संवत् 2081 | वर्ष 1, अंक 258, कुल पृष्ठ 14 | गूल्य : 5 छपए follow us on: f i g 8894521702

न्यूज़ शॉट्स

अरविंद केजरीवाल की हिरासत 11 तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली के राज एवेन्यू कोर्ट ने सरकार नीति मामले से जुड़े शीर्षीआई केस में सीएम अरविंद केजरीवाल की व्याधिक हिरासत 11 दिनों तक बढ़ाई। कोर्ट ने शीर्षीआई को राजीवेंटी चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए केजरीवाल, दुर्गेश पाठक, विदेश थारू, आरीष माथूर, सरथ रेण्डी को समन जारी किया है। जवाब दरिखात करने के लिए 11 दिनों तक का समय दिया है।

जेएटके में आज राहुल गांधी करेंगे प्रचार अभियान शुरू

नई दिल्ली। लोकसभा में विषयक के बैठक रहने वाले शीर्षीआई को जलान्सांगों को संबोधित करेंगे और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए कांगेस का प्रचार अभियान शुरू करेंगे। चुनाव के 18 दिनों तक होने वाले पहले चरण में कांगेस की ओर से विधायक आजमा रहे अमीदवाहों के प्रचार अभियान के तहत ऐसी एक आयोग किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं।

मध्य कोड़ा की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने डायरिकल के पूर्व मुख्यमंत्री मध्य कोड़ा की याचिका पर अपना आदेश सुनिश्चित रख दिया है। मध्य कोड़ा ने कोर्ट ने घोषित करने में अपनी दोषीतात्त्वी पर रोक लगाकर का अनुरोध किया था, ताकि वह आगामी विधानसभा चुनाव लड़ सके।

‘आप’ के साथ गठबंधन को कांगेस ने बनाई कमेटी

नई दिल्ली। दिल्ली में ‘आप’ के साथ गठबंधन की समझदारों को देखते हुए अंदर कांगेस ने कमेटी बनाई है। यह कमेटी राज्य में गठबंधन से संबोधित तमाम पहुंचों को देखेंगी और पार्टी हाईकोर्ट के रिपोर्ट सौंधत कर रख दिया है।

प्रधानमंत्री ने जोरदार स्वागत किया।

प्रधानमंत्री ने जोरद

न्यूज ब्रीफ

एनएसएस स्वयंसेवियों ने धीरा स्कूल में की सफाई राकेश डोगरा, डोगरा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठ्याला धीरा में मंगलवार को स्वच्छता पर्यावार के अधीन एनएसएस यूटिल ने पाठ्याला में सफाई अभियान चलाया। इस दौरान नालियों को साफ किया गया। स्कूल के दूर्घटित डायांगों को उद्याइ और क्यालियों को संवारा। सभी एनएसएस स्वयंसेवियों ने इस कार्यक्रम में बद्ध-चढ़कर भाग लिया था। प्रधानाचार्य सुशील धीरा, कार्यक्रम अधिकारी राकेश धरवाल तथा सुशील कुमारी श्री स्वयंसेवियों के साथ उपरिट रहे।



(अनंत ज्ञान)

एबीवीपी ने शिक्षा विरोधी निर्णयों के खिलाफ किया धरना-प्रदर्शन

सांकेतिक भूख-हड्डताल से सोई सरकार को जगाने का होगा प्रयास

अनंत ज्ञान व्यूरा, धर्मशाला

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के शिक्षण संस्थानों के अंदर प्रदेश की वर्तमान सिक्षा विरोधी कांगड़ा सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। यात्रियों को खिलाफ विद्यार्थी सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया।

विभाग सह संयोजक जितेंद्र सिंह ने बताया कि आज हिमाचल प्रदेश के शैक्षणिक परिषद्य और प्रदेश के वर्तमान कांगड़ा सरकार ने बना रखे हैं। उन्होंने कहा प्रदेश के विभिन्न मुद्दों को लेकर विद्यार्थी परिषद ने आज धरना-प्रदर्शन कर अनेक अंदोलन की शुरूआत की है। जिसमें प्रथानाचार्य और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र धर्मशाला के निर्देशक के माध्यम द्वारा शिक्षामंत्री को जारी भेजा गया। इसके बाद अब विद्यार्थी परिषद द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा और उसके उपरांत सांकेतिक भूख-हड्डताल के माध्यम से सोई हुई सरकार को जगाने का प्रयास किया जाएगा।

प्रदेश के अंदर आज भी ऐसे स्थानों को कुलपति की नियुक्ति प्रदेश सरकार नहीं करवा पा रही है, परीक्षा भवन निर्माण के लिए जूझ रहे हैं,



कांगड़ा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य।

अनियमिताते निरंतर सामने आ रही है। प्रदेश के अंदर छात्र संघ चुनाव काफी लंबे समय से बढ़ रहे हैं। इस और भी कोई ध्यान सरकार का नहीं है।

प्रदेश के अंदर आज भी ऐसे स्थानों को कुलपति की नियुक्ति प्रदेश सरकार नहीं करवा पा रही है, परीक्षा भवन निर्माण के लिए जूझ रहे हैं,

दूर्जन विलोज के नाम पर वर्तमान विश्वविद्यालय की 112 हेक्टेएक्ट भूमि को हड्डपने का प्रयास किया जा रहा है जो बिलकुल भी विश्वविद्यालय के हित में नहीं है।

वर्तमान सरकार निरंतर छात्र विरोधी निर्णय लेने से बाज नहीं आ रही है। प्रदेश में खनन

नकली व्यवस्था परिवर्तन आते ही प्रदेश का हाल बेहाल: जितेंद्र सिंह

माफियों, नशा माफियों और गुंडागों को प्रदेश की सरकार संरक्षण दे रही है। इस सभी मुद्दों को लेकर विद्यार्थी परिषद ने आज धरना-प्रदर्शन कर अनेक अंदोलन की शुरूआत की है। जिसमें प्रथानाचार्य और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र धर्मशाला के निर्देशक के माध्यम द्वारा शिक्षामंत्री को जारी भेजा गया। इसके बाद अब विद्यार्थी परिषद द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा और उसके उपरांत सांकेतिक भूख-हड्डताल के माध्यम से सोई हुई सरकार को जगाने का प्रयास केरी और जिला स्तर पर विश्वाल आक्रोश प्रदर्शन किए जाएंगे।

भेड़ खड्ड में पानी के तेज बहाव में फंसी जेसीबी व पोकलेन



आ गया। पानी इतना ज्यादा था कि

मरीने भी उसमें डूब गई।

आपरेटर जान बचाने कार्य में बकट पर चढ़ गए तथा सहायता

के लिए चिल्लाने सनकर वर्कर व स्थानीय लोग वहां पहुंचे तथा उनको सुरक्षित निकालने में जुट गए तथा दो घंटे की

मशक्कत के बाद उनको निकाला गया।

हुआ यूं कि जवाली

सुरक्षित बाहर निकाला गया।

फोरलेन कार्य में जुटी कंपनी

एचआर रोटिं ने बताया कि दोनों

आपरेटर को सुरक्षित बाहर निकाल

लिया गया है, जबकि जेसीबी व पोकलेन खड्डपने में ही हैं। पानी का बाहर कम होते ही उनको भी आंदोलन लिया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

खबरें लगातार उहें मिल रही थीं जिसके चलते डॉएसपी नूरपुर वर्मा ने खुद इसका मोर्चा संभालते हुए वह सर्जिकल स्ट्राइक खनन के खिलाफ की गई तथा यह कार्रवाई आगे भी जारी रही।

जात रहे के खनन सामीकी के भारी रेट होने के चलते स्थानीय लोगों द्वारा जेसीबी मरीन, ट्रैकर तथा

लोग स्थानीय पुलिस चौकी के लोग रोटर तक पहुंचे की प्रयास करते ही।

अधिनियम के तहत कुल 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंधी जानकारी देते हुए पाया गया, यह लोग क्रैशर वालों को देकर सरकार को लालों स्परण का चुना भी लगा रहे हैं। हालांकि, पुलिस खरादी, खनन के बायाका तथा वन के अंदर खनन करते ही रहे हैं।

देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंधी जानकारी देते हुए पाया गया, 303 (2) 303 (5) तथा 21(1) मिनिरल एंड माइनिंग एपरेटर नूरपुर धर्मचंद वर्मा ने बताया के चक्की दरिया में अवैध खनन करने की ओर खनन करने की लालों स्परण कर देते हैं।

लोगों द्वारा जेसीबी मरीन, ट्रैकर तथा लोग स्थानीय पुलिस चौकी के लोग रोटर तक पहुंचे की प्रयास करते ही।

दूसरी तरफ खड्डों ने खुना छलने की गई रही है।

देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

देशराज, गुरप्रीत सिंह, लतीफ मोहम्मद, सलीम, दीपक, सुनील कुमार, नरेश सिंह, निर्मल कुमार, कश्मीर चंद मुर्जियार सिंह, अमरजीत तथा हादीप सिंह पर खनन दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दिन में एक बार खुद से बात करें, अन्यथा आप इस दुनिया में एक बुद्धिमान व्यक्ति से मिलने से चूक सकते हैं। -स्वामी विवेकानन्द



ममता का अपराजिता कार्ड

लकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई बर्बता के बाद डॉक्टर बेटी को इंसाफ दिलाने के लिए देशभर में गुस्सा फूट रहा है। और फसल पकने को तैयार हो जाती है। तब भादो महीने का आगमन होता है। इसे 'काला महीना' के नाम से भी जाना जाता है। जन कथन है कि इस तापाप चले गए हैं तथा वहां जाकर विश्राम करते हैं। ऐसा माना जाता है कि किसी भी परिषद को इस बिल के साथ व्याप्ति का अपाराजिता बिल लेकर आई। बिल को पापी भी करा लिया गया। अखिर इस बिल में ऐसा क्या है जो वह 10 दिन में रेपिस्ट को फांसी दिला पाएंगी? जनता के साथ न्याय करना, बिना भटकाए बिना उलझाए आसान नहीं होता। बिल में क्या प्रावधान बनाए गए हैं और ये भारी न्याय संहिता यानी बीनएससे से नितान अलग है यह जनना भी जरूरी है। विचार बंगल में भी इस बिल का समर्थन किया है, लेकिन साथ ही यह शर्त भी दी गई कि एसी ममता बननी न्याय दिलाने की गारंटी ले तभी इस बिल का अधिकार है। हमें ये खिल चाहिए।

यह सकर की जिम्मेदारी है। परिषद बंगल में एंटी रेप बिल के लिए ममता ने 21+15 का फार्मला सुझाया है। शुरुआती जांच रिपोर्ट 21 दिन में पूरी होगी। इसे अधिकतम 15 दिनों के लिए बढ़ाया जा सकता है। समय बढ़ाने पर एसपी को कारण बताना होगा। यानी कुल मिलाकर चार्जीशी दायर करने के बाद 36 दिन में जांच पूरी करनी होगी और न्याय दिलाना होगा। इस बिल में यह प्रावधान भी किया गया है कि आगे अपने को असहाय एवं असुरक्षित समझने लगते हैं। ऐसा माना जाता है कि भादो होने के बाद वाताओं की अनुपस्थिति में लोग इस महीने अपने को असहाय एवं असुरक्षित बनाने लगते हैं। ऐसा लोगों में विश्वास रहता है देवताओं की अनुपस्थिति में भूत-प्रियाच डंकनी, कुलक्षणी और डायन आदि का अधिपत्य स्थापित हो जाता है, लेकिन आसुरी स्वभाव की यह शक्तियां तभी किसी का बुरा करती है, जब उसके ग्रह निष्कृत होते हैं। कारों महीने के प्रक्रम से देखने के लिए लोग सावन में ही गृह शुद्धिकरण के लिए हवन व पूजा-पाठ आदि करता लेते हैं। सावन के 'नवरात्र' शुभ माने जाते हैं। इस दौरान ही लोग मांगलिक कार्य विवाह की तिथियां आदि निर्धारित करते हैं।

आयोजन का सफल बनाने के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई' (अग्रिम अनुबंध) देते हैं। लोक कहावत में कहा जाता है 'साई एवं फाई' एक बराबर होती है। अग्रिम एसपी रेप बिल का अपाराजिता का मार्ग बनाने के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। भारी न्याय संहिता यानी बीनएससे में भी बदलाव किया गया है। अमल में लाई जाएगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी सोशल मीडिया पर पीड़िता की पहचान उत्तापन करने वालों के खिलाफ सख्ती की थी। बिल के अनुसार, हर जिले में अपाराजिता नाम से फास्ट ट्रैक फॉर्म्स का गठन होगा। डिली प्रैसी रैक के अफसर इसे लीड करेंगे। बिल विधानसभा में तो पास हो गया है।

अब यह राज्यपाल के पास जाएगा। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद यह राष्ट्रपति के पास जाएगा। भारी न्याय संहिता में कानून में बदलाव का प्रावधान है, लेकिन सावल यह है कि किंतु ऐसे में राष्ट्रपति की मजूरी मिलेगा या नहीं कुछ कहा नहीं जाए सकता है। जब तक राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिलती तब तक यह बिल कानून का रूप नहीं ले सकता। इस बिल में बीनएससे के साथ-साथ बीनएसएस में भी बदलाव किया गया है। महीनाओं की सुरक्षा के लिए बिल लाने वाली ममता बनर्जी कोई फली सुखांस्त्री नहीं है, बल्कि इससे पहले दो और राज्य भी ऐसी कोशिश कर चुके हैं।

रेप प्रकार महीने के लिए 2019 में अंध्र प्रदेश ने दिशा बिल लाया था। साल 2020 में भी महाराष्ट्र शक्ति बिल लाकर कानून बनाने की मुहिम छेड़ी गई थी, लेकिन दोनों ही राज्यों के कामयाबी नहीं मिल पाई थी, क्योंकि राष्ट्रपति ने मंजूरी ही नहीं दी। हालांकि, ममता बनर्जी भी यह जननी है कि इस बिल में खामियां हैं और इस बिल का पाप होना मुश्किल दिख रहा है, इसलिए वह अभी से ही प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को घेंहों की अपनी लाई शुल्क रुकूमी है। ममता बनर्जी सरकार करने के बिल लाया है और अपनी एसपी को अपाराजिता कार्ड खेल दिया है।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लागू करने वालों की मंजूरी भी साफ नहीं रुकी है। इस बिल पर देश के दूसरों सियासी दल भी अगुली उठा रहे हैं कि क्या यह बिल बाकई व्यक्तिगत है? सबल उन्होंने किसी विवाह करने वालों के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई' (अग्रिम अनुबंध) देते हैं। लोक कहावत में कहा जाता है 'साई एवं फाई' एक बराबर होती है।

तो वहां बेटियों को उम्र सीमा बढ़ाने से अब माता-पिता और समाज भी बेटियों को कम आयु में कानूनी रूप से वायध नहीं कर पाएगा, विशेष अनुबंध के लिए बिल को अपनी एक लाई शुल्कमंत्री नहीं है, बल्कि इससे पहले दो और राज्य भी ऐसी कोशिश कर चुके हैं।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लागू करने वालों की मंजूरी भी साफ नहीं रुकी है। इस बिल पर देश के दूसरों सियासी दल भी अगुली उठा रहे हैं कि क्या यह बिल बाकई व्यक्तिगत है? सबल उन्होंने किसी विवाह करने वालों के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। भारी न्याय संहिता के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। अग्रिम एसपी रेप बिल के अपाराजिता कार्ड खेल दिया है।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लागू करने वालों की मंजूरी भी साफ नहीं रुकी है। इस बिल पर देश के दूसरों सियासी दल भी अगुली उठा रहे हैं कि क्या यह बिल बाकई व्यक्तिगत है? सबल उन्होंने किसी विवाह करने वालों के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। अग्रिम एसपी रेप बिल के अपाराजिता कार्ड खेल दिया है।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लागू करने वालों की मंजूरी भी साफ नहीं रुकी है। इस बिल पर देश के दूसरों सियासी दल भी अगुली उठा रहे हैं कि क्या यह बिल बाकई व्यक्तिगत है? सबल उन्होंने किसी विवाह करने वालों के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। अग्रिम एसपी रेप बिल के अपाराजिता कार्ड खेल दिया है।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लागू करने वालों की मंजूरी भी साफ नहीं रुकी है। इस बिल पर देश के दूसरों सियासी दल भी अगुली उठा रहे हैं कि क्या यह बिल बाकई व्यक्तिगत है? सबल उन्होंने किसी विवाह करने वालों के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। अग्रिम एसपी रेप बिल के अपाराजिता कार्ड खेल दिया है।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लागू करने वालों की मंजूरी भी साफ नहीं रुकी है। इस बिल पर देश के दूसरों सियासी दल भी अगुली उठा रहे हैं कि क्या यह बिल बाकई व्यक्तिगत है? सबल उन्होंने किसी विवाह करने वालों के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। अग्रिम एसपी रेप बिल के अपाराजिता कार्ड खेल दिया है।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लागू करने वालों की मंजूरी भी साफ नहीं रुकी है। इस बिल पर देश के दूसरों सियासी दल भी अगुली उठा रहे हैं कि क्या यह बिल बाकई व्यक्तिगत है? सबल उन्होंने किसी विवाह करने वालों के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। अग्रिम एसपी रेप बिल के अपाराजिता कार्ड खेल दिया है।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लागू करने वालों की मंजूरी भी साफ नहीं रुकी है। इस बिल पर देश के दूसरों सियासी दल भी अगुली उठा रहे हैं कि क्या यह बिल बाकई व्यक्तिगत है? सबल उन्होंने किसी विवाह करने वालों के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। अग्रिम एसपी रेप बिल के अपाराजिता कार्ड खेल दिया है।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लागू करने वालों की मंजूरी भी साफ नहीं रुकी है। इस बिल पर देश के दूसरों सियासी दल भी अगुली उठा रहे हैं कि क्या यह बिल बाकई व्यक्तिगत है? सबल उन्होंने किसी विवाह करने वालों के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। अग्रिम एसपी रेप बिल के अपाराजिता कार्ड खेल दिया है।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लागू करने वालों की मंजूरी भी साफ नहीं रुकी है। इस बिल पर देश के दूसरों सियासी दल भी अगुली उठा रहे हैं कि क्या यह बिल बाकई व्यक्तिगत है? सबल उन्होंने किसी विवाह करने वालों के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। अग्रिम एसपी रेप बिल के अपाराजिता कार्ड खेल दिया है।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लागू करने वालों की मंजूरी भी साफ नहीं रुकी है। इस बिल पर देश के दूसरों सियासी दल भी अगुली उठा रहे हैं कि क्या यह बिल बाकई व्यक्तिगत है? सबल उन्होंने किसी विवाह करने वालों के लिए विशेष कार्रवाई करें वाताओं को 'साई-सफाई'। अग्रिम एसपी रेप बिल के अपाराजिता कार्ड खेल दिया है।

बिल में प्रावधान चाहे किसने भी सख्त हो, परंतु इसे लाग

